

काला गाउन विदा, प्रदेश में पहली बार बनेगा दीक्षांत का ड्रेस कोड

हर्ष खटाना. जयपुर | दीक्षांत समारोहों से अंग्रेजों के ब्लैक गाउन को विदाई देने की तैयारी हो चुकी है। प्रदेश में पहली बार दीक्षांत समारोहों के लिए ड्रेस कोड बनने

राज्यपाल कल्याण सिंह की कवायद, 29 को बुलाई प्रदेश के कुलपतियों की बैठक

विरोध चल रहा है। छात्रों, यहां तक कि शिक्षकों ने भी काले गाउन को अंग्रेजों की मानसिकता का प्रतीक मानते हुए विरोध जताया है। राजभवन सचिवालय ने इस संबंध में सभी कुलपतियों को पत्र भेज दिए हैं। शेष पेज | 12

जा रहा है। कवायद खुद राज्यपाल कल्याण सिंह ने शुरू की है। 29 जनवरी को इस संबंध में प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की समन्वय समिति की बैठक बुलाई गई है। बैठक में नए ड्रेस कोड का निर्धारण होना है। गौरतलब है पिछले कुछ समय से प्रदेशभर में काले गाउन को लेकर

सरकारी के साथ निजी यूनिवर्सिटी पर भी लागू होगा नया ड्रेस कोड

■ राज्यपाल का जोर है कि नए ड्रेस कोड में भारतीय संस्कृति की झलक मिलनी चाहिए। इसीलिए छात्राओं के लिए साड़ी या सलवार सूट तो छात्रों के लिए पैंट-शर्ट या पायजामा-कुर्ता के विकल्प हैं। विचार-विमर्श के बाद बदलाव संभव है। बुद्धिजीवियों का मानना है कि इसमें राजस्थानी वंश-भूषा को महत्व मिलना चाहिए।

■ दीक्षांत समारोहों के लिए एक ड्रेस कोड पर ऐसी पहल करने वाला राजस्थान देश का पहला राज्य।

काला गाउन विदा...

मार्किंग सिस्टम व प्रतिदिन कालांश की होगी व्यवस्था : बैठक में विश्वविद्यालयों में मार्किंग सिस्टम को लागू किये जाने के संबंध में की गई कार्यवाही, शिक्षकों द्वारा पढ़ाये जाने वाले विषयों को प्रतिदिन व कालांश के अनुसार और विद्यार्थियों की गत दिवस की उपस्थिति को संबंधित विवि की वेबसाइट पर प्रदर्शित किए के लिए की गई कार्यवाही की प्रगति की चर्चा होगी।

रिक्त पदों पर भर्ती पर होगा निर्णय विश्वविद्यालयों में स्वीकृत रिक्त पदों पर भर्ती की स्वीकृति के लिए विश्वविद्यालयों द्वारा राज्य सरकार को भेजे गये प्रस्तावों पर हुई कार्यवाही तथा जिन पदों पर भर्ती हेतु राज्य सरकार ने स्वीकृति प्रदान कर दी है, उनके संबंध में विश्वविद्यालयों द्वारा की गई कार्यवाही की बैठक में समीक्षा होगी। राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा

अभियान के अन्तर्गत शामिल राज्य के विश्वविद्यालयों के संबंध में प्रगति तथा जो विश्वविद्यालय अभी तक इस योजना में शामिल नहीं हुए हैं, उनको इस योजना में शामिल कराए जाने की संभावनाओं पर कुलपति समन्वय समिति की बैठक में चर्चा होगी। इसके साथ ही महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय अजमेर के कौशल विकास पाठ्यक्रम के माडल को तथा राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय बीकानेर के ई-गवर्नेन्स माडल को अन्य विश्वविद्यालयों में लागू करने और राजकीय विश्वविद्यालयों व उनके संघटक महाविद्यालयों में वर्चुयल कक्षाएं प्रारंभ करने की संभावनाओं पर भी बैठक में चर्चा होगी।

जयपुर से दो...

रीजनल रेपिड रेल का बेहतरीन उदाहरण होगी यह ट्रेन : बुलेट ट्रेन शुरू होने पर एनसीआर रीजन के साथ राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली